केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नैतिकता : एक जीवन शैली

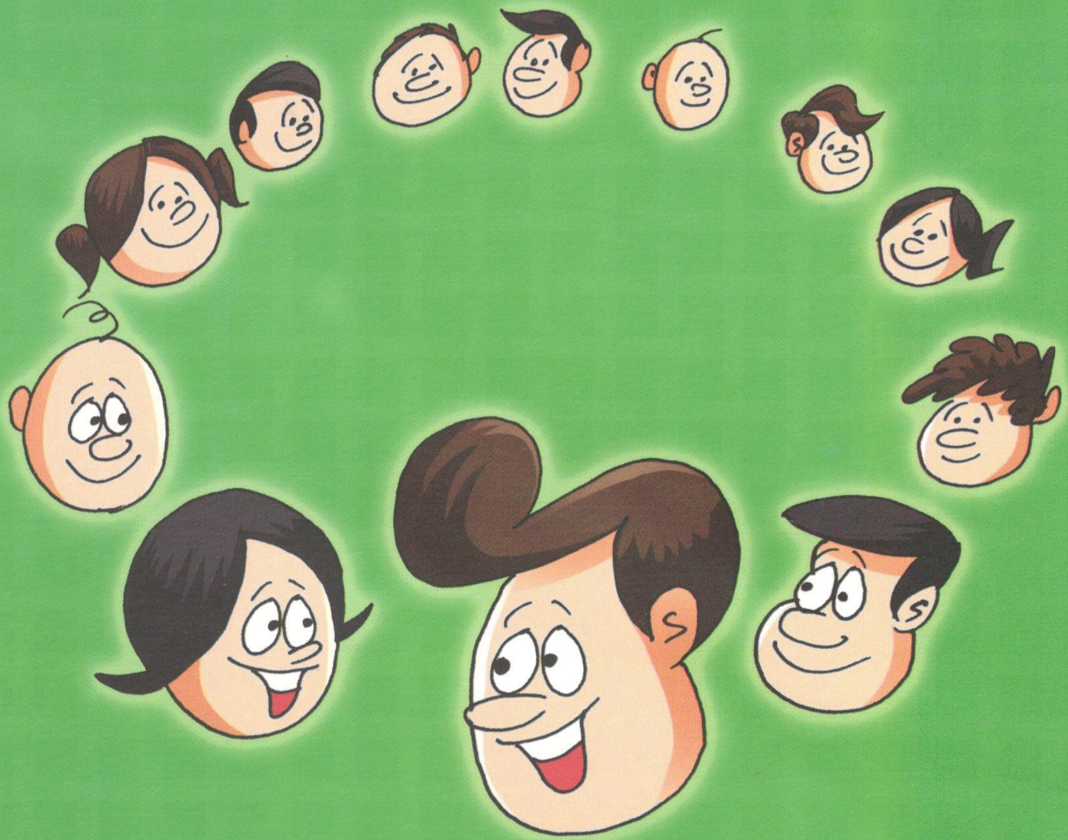

भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नैतिकता : एक जीवन शैली

यह समीकरण काफी पेचीदा लगता है। चलो जय की मदद लेते हैं ।
हाँ यह ठीक है। वह हमारी कक्षा का सबसे कुशल छात्र है।
पर वो हमेशा सबसे दूरी बनाकर रहता है।
हाय जय, कैसे हो ? हमें तुमसे कुछ मदद चाहिए।
सॉरी, मेरे पास समय नहीं है।
तुम लोग किसी और के पास जाओ।

वह कितना घमंडी है, उससे बात करना बेकार है।
जय अचानक बीमार पड़ गया और एक सप्ताह तक स्कूल नहीं जा सका।
एक सप्ताह बाद।
हाय मीरा! क्या हाल हैं? मुझे तुमसे एक छोटी सी मदद चाहिए।
हाय जय! मैं अच्छी हूँ। बताओ कि तुम्हे क्या मदद चाहिए।
तबीयत ख़राब होने के कारण पिछले एक सप्ताह मैं स्कूल नहीं आ पाया।

क्या तुम पाठ्यक्रम को पूरा करने में मेरी सहायता करोगी?
सॉरी जय। मैं इसमें तुम्हारी सहायता नहीं कर पाउंगी।
तुम तो एक होशियार छात्र हो और हमेशा की तरह पाठ्यक्रम को खुद ही पूरा कर लोगे।
हाँ, मैं इसे अपने आप पूरा कर लूँगा। मुझे किसी की भी मदद नहीं चाहिए।
नहीं नहीं गुस्सा मत करो, मैं तुम्हारी मदद करती हूँ।
अगले दिन कक्षा में
गुड मॉर्निंग स्टूडेंट्स!
गुड मॉर्निंग मै..........मम।

आज मैं आप लोगों के लिए एक अच्छी सूचना लेकर आई हूँ।
हम स्कूल में एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, जहाँ छात्रों को दो सप्ताह में एक साइंस प्रोजेक्ट प्रस्तुत करना होगा ।
इसके लिए पूरी कक्षा को तीन-तीन छात्रों के समूह में बांटा जाएगा और उन्ही में से एक छात्र को अपने समूह का लीडर बनाया जाएगा।
शिक्षिका ने कक्षा को तीन- तीन के समूहों में बांटा। जय के समूह में रुचि और चन्दर थे और जय उस समूह का लीडर था।
मुझे ग्रुप का लीडर बनाया गया है।
इस प्रोजेक्ट को तो मैं अकेला ही पूरा कर सकता हूँ मुझे रूचि और चन्दर की आवश्यकता नहीं है।

हाय चन्दर। मुझे लगता है कि जय हम दोनों को बुलाकर प्रोजेक्ट के बारे में बात करेगा। हमें उसका इंतजार करना चाहिए।
हाँ ठीक है।
दो दिन बीतने के बाद भी जय ने रुचि और चन्दर से प्रोजेक्ट की कोई बात नहीं की। रुचि ने इसके बारे में कुछ करने का फैसला लिया।
हाय जय, हम तीनों एक ही टीम में है। आओ हम मिलकर अपने प्रोजेक्ट पर काम शुरू करें।
हाँ जय। हमें अब प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर देना चाहिए।
हाँ, हाँ। चलो काम शुरू करते हैं। पर प्रोजेक्ट का विषय एवं प्रस्तुति मैं तय करूँगा।

तुम लोग प्रोजेक्ट के लिए जरूरी सामान की व्यवस्था करो।
!
?
ठीक है, जैसा तुम कहो, आओ प्रोजेक्ट पर काम तो शुरू करें।
एक हफ्ते बाद
सभी प्रोजेक्ट्स का अंतरिम मूल्यांकन करने के बाद मैंने पाया कि मुन्नी, राजा और टोनी का प्रोजेक्ट अभी तक सबसे अच्छा है।
हमें पता लगाना होगा कि हमारे प्रोजेक्ट में क्या कमी है।

उस शाम, जब जय स्कूल से लौट रहा था, उसने मुन्नी और उसकी टीम को चर्चा करते देखा।
क्यों न मैं उनके विचारों को सुनूं और अपने प्रोजेक्ट के लिए उसकी नकल करूं।
यह बहुत अच्छा है कि हमारी टीम को इतनी अच्छी प्रशंसा मिली। हम अपना अच्छा काम जारी रखेंगे।
अगले दिन, अति उत्साहित जय, रुचि और चंदर के पास गया।
कल, मैंने मुन्नी की टीम को उनके प्रोजेक्ट के बारे में चर्चा करते देखा।
मैंने उनके विषय को सुना और मुझे लगता है कि उनका यह प्रोजेक्ट शानदार है।

नहीं जय, हम दूसरे के विचार की नकल नहीं करेंगे। यह हमारा प्रोजेक्ट है, और हम इसे अपने तरीके से सोचेंगे और करेंगे।
मैं चंदर से सहमत हूँ। अगर हम एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो मुझे यकीन है कि हमारा प्रोजेक्ट सबसे अच्छा हो सकता है।
जल्द ही प्रोजेक्ट को प्रस्तुत करने का दिन आ गया।
गुड मॉर्निंग स्टूडेंट्स। यह प्रोजेक्ट्स के परिणाम का समय है !!!!

गुड मॉर्निंग मैम। हम सभी परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।
मैंने सभी प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया और यह पाया कि जय, रुचि और चंदर के द्वारा बनाया गया साइंस प्रोजेक्ट सबसे अच्छा है।
अरे वाह! धन्यवाद मैम।
हमने यह पुरस्कार इसलिए जीता क्योंकि रुचि ने काम शुरू करने की जिम्मेदारी ली थी।
ऐसा इसलिए भी है क्योंकि चन्दर और रुचि प्रोजेक्ट का विषय तय करने में ईमानदार थे। हमने एक-दूसरे के विचारों का सम्मान किया और साथ मिलकर काम किया।
और हमने किसी की नक़ल नहीं की।
आज मैंने जीवन भर के लिए नैतिकता की आवश्यकता और अपने सभी सहपाठियों के साथ मिलकर काम करने का सबक सीखा है।

नैतिकता : एक जीवन शैली

- नैतिकता को जीवन शैली बनाना सफलता का एक अभिन्न अंग है । नैतिक होने का अर्थ है कि व्यक्ति सही और गलत के बीच अंतर करने में सक्षम है ।
- व्यक्ति चाहे किसी भी स्तर पर कार्य कर रहा हो, उसे हमेशा नैतिक होना चाहिए और व्यक्तिगत लाभ के लिए किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहिए।
- नैतिक व्यवहार का पालन कर हम सभी को उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए ।
- जब कोई व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में नैतिकता को अपनाता है, तो यह व्यक्ति के अस्तित्व का मूल तत्त्व बन जाता है।
- नैतिक मानक जितने ऊंचे होंगे, निर्णय लेने में भ्रम उतना ही कम होगा ।
- नैतिक व्यवहार भ्रष्टाचार का मुकाबला करने के लिए प्रभावी साधनों में से एक है ।
- नैतिक व्यक्ति संगठन, समाज, देश और सबसे बढ़कर मानव जाति के विकास में योगदान देता है ।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

सतर्कता भवन, ए-ब्लॉक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली - 110023

www.cvc.gov.in

के सहयोग से प्रकाशित

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुद्रित